॥ श्री गणेश दर्शन • पावन भक्ति संग्रह ॥

श्री गणेश चालीसा

SHREE GANESH CHALISA • SAMPOORNA CHAUPAI & DOHA

ॐ

॥ दोहा ॥

जय गणपति सदगुण सदन, कविवर बदन कृपाल।
विघ्न हरण मंगल करण, जय जय गिरिजालाल॥

॥ चौपाई संग्रह ॥

जय जय जय गणपति गणराजू। मंगल भरण करण शुभ काजू॥
जय गजबदन सदन सुखदाता। विश्व विनायक बुद्धि विधाता॥
वक्र तुण्ड शुचि शुण्ड सुहावन। तिलक त्रिपुण्ड भाल मन भावन॥
राजित मनि मुक्तन उर माला। स्वर्ण मुकुट शिर नयन विशाला॥
पुस्तक पाणि कुठार त्रिशूलं। मोदक भोग सुगन्धित फूलं॥
सुन्दर पीताम्बर तन साजे। चरण पादुका मुनि मन राजे॥

धनि शिव सुवन षडानन भ्राता। गौरी ललन विश्व विख्याता॥
ऋद्धि सिद्धि तव चंवर सुधारे। मूषक वाहन सोहत द्वारे॥
विघ्न विनाशक मंगल कर्ता। दीन दयाल विपति भय हर्ता॥
प्रथम पूज्य प्रभु सब जग जाने। वेद पुरान सकल गुन गाने॥

॥ समापन दोहा ॥

श्री गणेश यह चालीसा, पाठ करै जो कोय।
सकल सिद्धि पावै सुयश, सर्व विघ्न हर होय॥